Sixteenth Loksabha

an>

Title: Regarding welfare of farmers and soldiers.

श्री छोटेलाल (राबर्ट्सगंज) : अध्यक्ष महोदया, आपने बहुत ही महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का मौका दिया है, मैं इसके लिए आपको धन्यवाद देता हूँ। ...(व्यवधान) अध्यक्ष महोदया,

> " देश के किसान नाही रहिएं तो दो जून की रोटी मुहाल हो जाई।
> सीमा पर जवान न रहिए तो देसवा बेहाल हो जाइ। "

दोनों की ही रक्षा करना सरकार का कर्त्तव्य है। ...(व्यवधान) ऐसे महत्वपूर्ण विषय पर ये विपक्षी दल के लोग बोलने का मौका नहीं दे रहे हैं, हल्ला-गुल्ला कर रहे हैं। किसानों का मुद्दा है। ...(व्यवधान) दोनों की रक्षा करना सरकार का कर्त्तव्य है। ...(व्यवधान) मनरेगा को कृषि कार्य खेती-बाड़ी इत्यादि संपूर्ण कार्यों के लिए जोर देना चाहिए। ...(व्यवधान) जिससे मज़दूरों और दलितों को बरसात के महीने में भी रोज़गार मिलता रहेगा तथा किसानों का समर्थन मूल्य लगभग 300 रूपये से 400 रूपये प्रति क्विंटिल से बढ़ा कर धान खरीद करना चाहिए। ...(व्यवधान) अपने ही देश में किसानों के धान, गेहूं, सब्जी इत्यादी खरीदना अनिवार्य कर देना चाहिए। ...(व्यवधान) महोदया, डीजल एवं खाद पर सब्सिडी किसानों को देने का प्रावधान करना चाहिए। ...(व्यवधान) वैसे हमारे देश के प्रधान मंत्री नरेंद्र भाई मोदी जी किसानों की आय सन् 2022 तक दुगना करने की सोच रहे हैं। ...(व्यवधान)

जो मुफ्त शिक्षा, दवा मुफ्त देगा, किसानों की हरदम सुरक्षा करेगा, और देगा समय से बिजली, खाद पानी, वही तो किसानों का नेता रहेगा। वही तो किसानों का नेता रहेगा।

माननीय अध्यक्ष :

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

श्री शरद त्रिपाठी,

श्री अर्जुन लाल मीणा,

श्री सी.पी. जोशी,

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल एवं

श्री रवीन्द्र कुमार जेना को श्री छोटेलाल द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

…(व्यवधान)